हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 25 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 29 अक्टूबर से 04 नवंबर 2021

गृह मंत्री अमित शाह के OSD से मिला लखबीर सिंह का परिवार

50 लाख का मुआवजा और CBI जांच की मांग

नई दिल्ली: दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर निहंगों द्वारा सरबलोह धार्मिक ग्रंथ की बेअदबी की वजह से मारे गए लखबीर सिंह के परिवार के सदस्यों ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के ओएसडी से मुलाकात की है. इस दौरान उन्होंने उन्हें ज्ञापन देते हुए परिवार के लिए 50 लाख रुपये मुआवजा, नौकरी का आश्वासन और सीबीआई जांच की मांग की है. बता दें कि 15 अक्टूबर को दिल्ली-हरियाणा के सिंघु बॉर्डर पर निहंगों द्वारा पंजाब के तरनतारन के रहने वाले लखबीर सिंह की निर्मम हत्या के बाद बवाल मचा हुआ है. इस बीच बुधवार (27 अक्टूबर) को मृतक की पत्नी, बेटी, पिता और भाई सिंघु बॉर्डर पर मुआवजे की मांग और घटनास्थल पर अरदास करने के लिए पंहुच थे. जैसे ही ये लोग सिंघु बॉर्डर की तरफ बढ़े दिल्ली पुलिस ने बल प्रयोग किया. इसके बाद पीड़ित परिवार और हिंद मजदूर किसान समिति के कार्यकर्ता नरेला इंडस्ट्रियल इलाके में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए थे. इसके साथ उन्होंने कहा था कि जब तक मांगे पूरी नहीं हो जाती हम यहीं बैठे रहेंगे. वहीं, लखबीर की बहन ने आरोप लगाया कि कोई उन्हें थोखे से तरनतारन से सिंघु बॉर्डर ले गया और वहां पर बेअदबी के आरोप में उनकी हत्या कर दी गई. इससे पहले गुरुवार सुबह सिंघु बॉर्डर पर लखबीर सिंह की मौत पर प्रदर्शन मामले में अड़े किसानों की दिल्ली पुलिस के अधिकारियों से बातचीत हुई थी.

समीर वानखेड़े को बॉम्बे हाई कोर्ट से मिली बड़ी राहत!

गिरफ्तार करने के तीन दिन पहले नोटिस देगी मुंबई पुलिस

मुंबई : मुंबई पुलिस के वकील के आश्वासन देने के बाद बॉम्बे हाई कोर्ट ने समीर वानखेड़े की याचिका खारिज कर दी है. समीर वानखेड़े ने मुंबई पुलिस द्वारा कभी भी उन्हें गिरफ्तार किए जाने की आशंका के चलते हाई कोर्ट का रुख किया था. हाई कोर्ट में मुंबई पुलिस की ओर से पैरवी करने वाले वकील ने कोर्ट को आश्वासन दिलाया कि मुंबई पुलिस ऐसी किसी भी कार्रवाई के तीन दिन पहले नोटिस देगी. जिसके बाद कोर्ट ने समीर वानखेड़े की याचिका को खारिज कर दिया. महाराष्ट्र सरकार के वकील ने कोर्ट को बताया कि समीर वानखेड़े के खिलाफ चार अलग-अलग मामले दर्ज हैं. उन्होंने बताया कि हाल ही में जो जांच शुरू हुई है उसमें एक एसीपी लेवल अधिकारी ने पड़ताल शुरू की है. वकील ने बताया कि जांच अभी शुरूआती स्टेज में है इसलिए वानखेड़े के खिलाफ अभी तक FIR दर्ज नहीं की गई है.

ICON OPTICAL GALLERY

- Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free......
- Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free......
- Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards......
- Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.
- We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

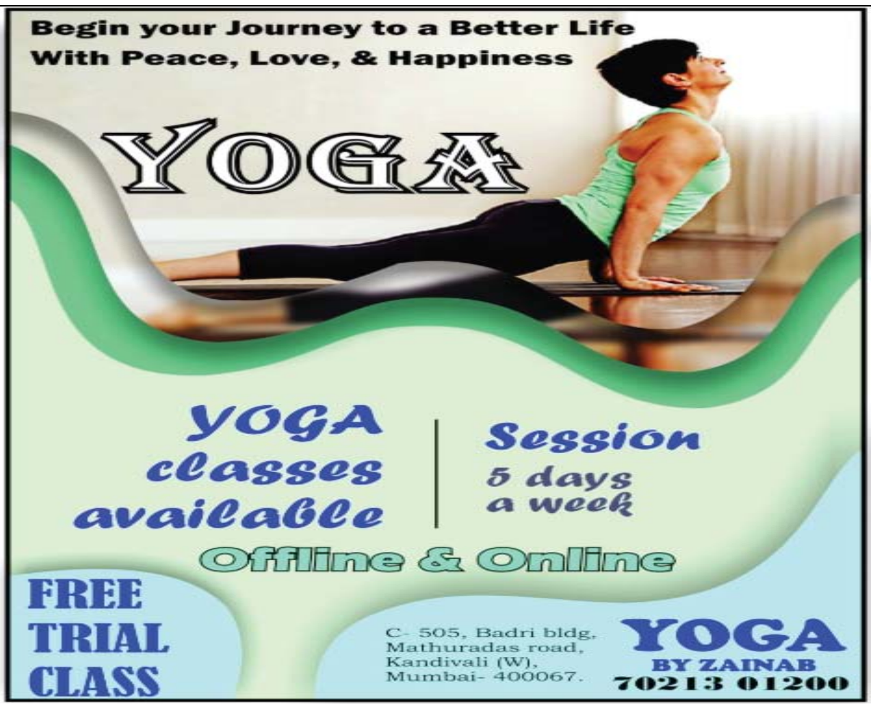

NCB अधिकारी समीर वानखेड़े पर नवाब मलिक का नया ट्वीट

निकाहनामा और शादी की तस्वीर

मुंबईः महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक लगातार नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के मुंबई जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े पर नए-नए आरोप लगा रहे हैं. अब नवाब मलिक ने समीर वानखेड़े की पहली शादी की फोटो शेयर की है और आरोप लगाया है कि उन्होंने साल 2006 में इस्लाम धर्म के अनुसार निकाह किया था. नवाब मलिक ने एक के बाद एक कई ट्वीट किए.

नवाब मलिक ने शेयर किया निकाहनामा

इसके साथ ही नवाब मलिक ने अपने तीसरे ट्वीट में एक फोटो शेयर की और दावा किया कि यह समीर वानखेड़े और शबाना कुरैशी की निकाह की तस्वीर है. उन्होंने फोटो के साथ लिखा, प्यारी जोड़ी की तस्वीर, समीर दाऊद वानखेड़े और डॉ शबाना कुरैशी. इसके साथ ही उन्होंने एक मैरेज सर्टिफिकेट भी शेयर किया और दावा किया कि समीर वानखेड़े का निकाहना है. उन्होंने लिखा, ह्ययेे है डॉ शबाना कुरैशी के साथ ह्यसमीर दाऊद वानखेड़े की पहली शादी का निकाहनामा.

निकाह में अदा की गई थी 33 हजार रुपये मेहरः नवाब मलिक

अपने पहले ट्वीट में नवाब मलिक ने लिखा, ह्य7 दिसंबर 2006, गुरुवार को रात 8 बजे समीर दाऊद वानखेड़े और शबाना कुरैशी के बीच निकाह हुआ था. यह निकाह मुंबई के अंधेरी (वेस्ट) के लोखंडवाला कॉम्पलेक्स में हुआ था. दूसरे ट्वीट में उन्होंने लिखा, निकाह में 33 हजार रुपये मेहर के रूप में अदा की गई थी. इसमें गवाह नंबर 2 अजीज खान थे, जो समीर दाऊद वानखेड़े की बड़ी बहन यासमीन दाऊद वानखेड़े के पति हैं.

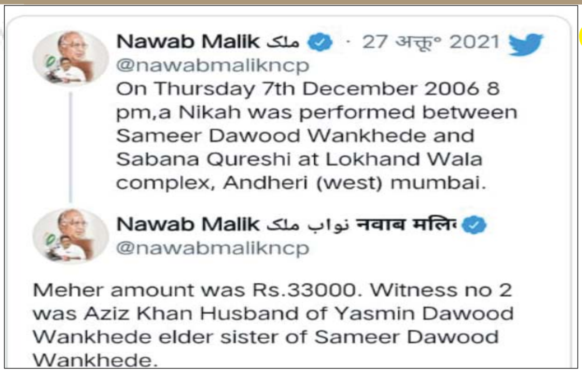

Nawab Malik ملک · 27 अक्तू॰ 2021
@nawabmalikncp
On Thursday 7th December 2006 8 pm,a Nikah was performed between Sameer Dawood Wankhede and Sabana Qureshi at Lokhand Wala complex, Andheri (west) mumbai.

Nawab Malik ملک نواب नवाब मलिक
@nawabmalikncp
Meher amount was Rs.33000. Witness no 2 was Aziz Khan Husband of Yasmin Dawood Wankhede elder sister of Sameer Dawood Wankhede.

समीर वानखेड़े ने मानी थी शबाना कुरैशी से शादी की बात इससे पहले समीर वानखेड़े ने शबाना कुरैशी से शादी की बात स्वीकार की थी और बताया था कि साल 2016 में दोनों ने आपसी सहमति से तलाक ले लिया था. नवाब मलिक के आरोपों पर जवाब देते हुए प्रेस रिलीज जारी कर इस बात की जानकारी दी थी. समीर वानखेड़े ने यह भी बताया था कि उन्होंने साल 2017 के

अंत में क्रांति रेडकर से शादी की थी.

नवाब मलिक ने समीर वानखेड़े पर लगाए 26 आरोप इससे पहले नवाब मलिक ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के एक अधिकारी का लेटर शेयर किया था, जिसमें समीर वानखेड़े और उनकी टीम पर 26 आरोप लगाए गए थे. लेटर में दावा किया गया कि समीर वानखेड़े और उनकी टीम ने लोगों के घरों में तलाशी के दौरान ड्रग्स रखकर झूठे केस बनाए. समीर ने फर्जी

सर्टिफिकेट पर हासिल की सरकारी नौकरी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता नवाब मलिक ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक बार फिर समीर वानखेड़े के बर्थ सर्टिफिकेट को फर्जी बताया और दावा किया कि उन्होंने फर्जी जाति सर्टिफिकेट बनवाकर सरकारी नौकरी हासिल की. नवाब मलिक ने कहा कि मैंने जो भी सर्टिफिकेट शेयर किए हैं, सभी सही हैं.

> महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक ने एक फोटो शेयर की है और दावा किया है कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के मुंबई जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े ने साल 2006 में इस्लाम धर्म के

> अनुसार निकाह किया था.

NCB की रडार पर प्रसिद्ध हस्ती का नौकर, अनन्या पांडे के कहने पर आर्यन खान तक ड्रग्स पहुंचाने का शक

मुंबई. मुंबई ड्रग्स केस में नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अभिनेत्री अनन्या पांडे से गुरुवार और शुक्रवार को पूछताछ की थी. खबर है कि एनसीबी को पता चला है कि एक्ट्रेस उस शख्स को जानती हैं, जो आर्यन खान को ड्रग्स पहुंचाता था. साथ ही यह भी जानकारी मिली है कि शुक्रवार को एनसीबी की रडार पर एक जानी-मानी हस्ती का 24 वर्षीय एक नौकर भी आ गया है. सूत्रों ने न्यूज18 को बताया कि एनसीबी ने शुक्रवार को नौकर से पछताछ

की है. माना जा रहा है कि इस व्यक्ति ने ह्यअनन्या के कहने पर आर्यन तक ड्रग्स पहुंचाए हैं. अधिकारियों ने ड्रग पैडलर नौकर को मुंबई के मलाड इलाके से हिरासत में लिया है और सोमवार को पूछताछ के लिए बुलाया है. सूत्रों ने जानकारी दी कि लंबी पूछताछ के बाद उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है. एनसीबी की तरफ से तलब की गई अनन्या पांडे गुरुवार और शुक्रवार दोनों दिन पूछताछ के लिए देरी से पहुंचीं, जिसके चलते जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े नाराज हुए. सूत्रों ने बताया कि एनसीबी अधिकारियों ने पांडे को लेट पहुंचने पर काफी बातें सुनाईं. उन्हें बताया गया कि यह कोई फिल्म शूट या प्रोडक्शन हाउस नहीं है. जांच के दौरान एनसीबी ने कथित रूप से आर्यन खान के साथ उनकी चैट्स हासिल की हैं,

दोहरी जांच में फंसे मुंबई एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े

मुंबई। आर्यन खान ड्रग मामले की जांच कर रहे मुंबई एनसीबी के जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े अब खुद दोहरी जांच के भंवर में फंसते दिखाई दे रहे हैं। उनके खिलाफ एक जांच मुंबई पुलिस ने शुरू कर दी है, दो दूसरी उन्हीं के विभाग के सतर्कता विभाग ने। ये दोनों जांचें आर्यन खान मामले में स्वतंत्र गवाह बनाए गए प्रभाकर सैल का एक हलफनामा सामने आने के बाद शुरू हुई हैं। प्रभाकर सैल ने रविवार को अपना एक हलफनामा इंटरनेट मीडिया के जारी सार्वजनिक कर कहा था कि आर्यन खान मामले में एनसीबी ने उनसे पंच के रूप में 10 सादे कागजों पर दस्तखत करवाए। सैल ने यह आरोप भी लगाया था कि उसने इसी मामले के एक और पंच किरण गोसावी को सैम डिसूजा नामक अपने मित्र से 25 करोड़ की वसूली करने की बात करते सुना था। किरण इस राशि में से आठ करोड़ रुपये समीर वानखेड़े को देने की बात कर रहा था। सैल के इसी हलफनामे के आधार पर मुंबई पुलिस ने एनसीबी अधिकारी समीर के विरुद्ध प्राथमिक जांच शुरू कर दी है।

हाई कोर्ट से तो मिल गई जमानत फिर भी आज रिहा नहीं होंगे आर्यन खान?

मुंबई : ड्रग्स मामले में आर्यन खान को जमानत मिलने के बाद भी उन्हें आज जेल से रिहा नहीं किया गया है. डिटेल ऑर्डर आने के बाद भी उन्हें जेल से रिहा नहीं किया जा सकेगा. मुंबई ड्रग्स मामले में आर्यन खान को जमानत मिलने के बाद भी उन्हें आज जेल से रिहा नहीं किया गया है. दरअसल जब तक डिटेल ऑर्डर नहीं आता तब तक आर्यन को जेल से रिहा नहीं किया जा सकेगा. वकील मुकुल रोहतगी का कहना है कि आर्यन को जेल से रिहा होने में दो से तीन दिन लग सकते हैं. दरअसल, जब हाई कोर्ट एक बार जमानत का आदेश दे देता है तो वहां से बेल सर्टिफिकेट ट्रायल कोर्ट भिजवाया जाता है. उसके बाद ट्रायल कोर्ट रिलीज लेटर जारी करता है. ये रिलीज लेटर जब जेल में पहुंचता है तब जाकर आरोपी को रिहा किया जाता है. कानूनी जानकारों के मुताबिक जेल अपने समय के हिसाब से आरोपी को रिहा करता है. आर्यन खान मामले में इस प्रोसेस में जितना भी समय लगेगा तब तक वह जेल से घर नहीं जा सकेंगे. आर्यन खान शुक्रवार शाम तक जेल से रिहा हो सकते हैं. बता दें कि कोर्ट द्वारा जमानत मिलने के बाद आरोपी को जेल से रिहा करने में देरी के हालिया मामलों को देखते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया है. इस मामले पर चीफ जस्टिस एन वी रमना की अध्यक्षता वाली पीठ शुक्रवार को सुनवाई करेगी.

जस्टिस एल नागवारा राव और जस्टिस ए एस बोपन्ना की पीठ भी इस बात की जांच करेगी कि जमानत मिलने के बाद आरोपी को जल्द रिहा करने के लिए क्या किया जा सकता है. सुप्रीम कोर्ट यह सुनिश्चित करेगा कि जमानत मिलने के बाद आरोपियों को बिना देरी के रिहा किया जाए. कोर्ट का कहना है कि बेल के बाद भी आरोपियों को तुरंत रिहा न किया जाना उनके अधिकारों का उल्लंघन है. सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक कोर्ट आम तौर पर निर्देश देते हैं कि शर्तों को पूरा करने के बाद आरोपी को तुरंत रिहा किया जाए. सुप्रीम कोर्ट इस बात की भी जांच कर सकता है कि क्या इस मामले में किसी तरह के दिशा-निर्देश बनाए की जरूरत है. बात दें कि दिल्ली दंगा मामले में आरोपी जामिया के छात्र आसिफ इकबाल तन्हा और जेएनयू की देवांगना कलिता और नताशा नरवाल को जमानत मिलने के 48 घंटे के बाद रिहा किया गया था. जमानत देने के बाद तिहाड़ जेल से रिहाई में हुई देरी के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने फिर से हस्तक्षेप किया था. दरअसल हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी दिल्ली दंगों की साजिश मामले में गिरफ्तार तीनों आरोपियों को काफी समय तक जेल में रहना पड़ा था. वहीं एक और मामला जमानत के बाद देरी से रिहाई का है. सुप्रीम कोर्ट ने 8 जुलाई को आगरा सेंट्रल जेल में बंद 13 कैदियों को अंतरिम जमानत दी थी, लेकिन उन्हें 4 दिनों के बाद रिहा कर दिया गया था.

बिना लाइसेंस के पटाखे रखने पर एक पर मुकदमा दर्ज

ठाणे: मीरा भयंदर-वसई विरार पुलिस ने अधिकारियों से बिना किसी वैध अनुमति के बड़ी मात्रा में पटाखों के भंडारण के लिए एक 36 वर्षीय विक्रेता के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन कांबले के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने भायंदर पश्चिम के महेश नगर इलाके में एक खुले मैदान का मुयायना किया तो 36 वर्षीय श्यामबाबू चौरसिया को पटाखों की दुकान लगाते हुए पाया। पुलिस को 1.24 लाख रुपये से अधिक के पटाखे मिले और संदिग्ध कोई भी वैध दस्तावेज पेश करने में विफल रहा। उन पर विस्फोटक पदार्थों के संबंध में लापरवाहीपूर्ण आचरण के लिए भारतीय दंड संहिता की धारा 286 और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम, 1951 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। भारतीय विस्फोटक अधिनियम के तहत, पटाखों के स्टॉल मालिकों के लिए पुलिस, अग्निशमन विभाग और जिला अधिकारियों से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है।

केंद्रीय मंत्री अठावले ने शाहरुख खान को दी सलाह, आर्यन को भेज दें नशामुक्ति केंद्र

मुंबई। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान को ड्रग ऑन क्रूज मामले में गिरफ्तार बेटे आर्यन खान को पुनर्वास केंद्र भेजने की सलाह दी है। अठावले का कहना है कि इतनी छोटी उम्र में ड्रग्स लेना अच्छा नहीं है। आर्यन खान का भविष्य आगे है। मैं शाहरुख खान को सलाह देता हूं कि आर्यन खान को मंत्रालय से जुड़े एक नशामुक्ति केंद्र में भेजें। केंद्रीय मंत्री अठावले ने कहा उसे जेल में रखने के बजाय 1-2 महीने वहां रहना चाहिए। देश भर में ऐसे बहुत से केंद्र हैं। 1-2 महीने में वह मादक पदार्थों की लत से ठीक हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा

कि उनके मंत्रालय के अनुसार एक नया कानून बनाया जाए जिसके तहत आरोपी को जेल न भेजा जाए। अठावले ने क्रूज ड्रग्स मामले की जांच के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े की सराहना करते हुए और कहा, कम से कम 5-6 बार, अदालत को जमानत याचिका मिली है, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक के इस दावे के बाद कि समीर वानखेड़े पैसे की उगाही के लिए दुबई गए थे।

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

कोरोना रोधी टीके की दूसरी खुराक देने पर जोर

राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बैठक कर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कोविड रोधी टीके की दूसरी खुराक देने पर जो जोर दिया, वह समय की मांग है। नि :संदेह सौ करोड़ टीके के लक्ष्य की प्राप्ति एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि टीके की दूसरी खुराक लेने वालों की संख्या उतनी नहीं, जितनी होनी चाहिए। जहां पहली खुराक लेने वालों का प्रतिशत 75 से अधिक है, वहीं दूसरी खुराक लेने वाले 32 प्रतिशत के ही आसपास है यह अंतर इसलिए भी चिंतित करने वाला है, क्योंकि ऐसे तथ्य सामने आ रहे हैं कि दूसरी खुराक का समय बीत जाने के बाद भी तमाम लोग उसे लेने नहीं आए। इसका अर्थ है कि जिन लोगों ने टीके की पहली खुराक लेने में दिलचस्पी दिखाई, वे दूसरी खुराक लेने में आनाकानी कर रहे हैं। ऐसा क्यों है, इसका जवाब खोजा जाना चाहिए। इसमें उन राज्य सरकारों और उनके प्रशासन को कहीं अधिक सक्रियता दिखानी होगी, जहां टीकाकरण की रफ्तार धीमी है। अब जब पर्याप्त संख्या में टीके उपलब्ध हैं और टीकाकरण के लाभ भी दिख रहे हैं, तब फिर इसका कोई कारण नहीं कि टीका लगाने का अभियान और अधिक गति न पकड़े।लोगों को न केवल टीके की दूसरी खुराक समय पर लेने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए, बल्कि जिन्होंने एक भी खुराक नहीं ली है, उन्हें भी टीकाकरण की महत्ता समझाई जानी चाहिए। इसमें सरकारों के साथ आम लोगों और खासकर समाज का किसी भी रूप में प्रतिनिधित्व करने वालों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें अपनी इस भूमिका का निर्वाह करना ही चाहिए। यह राष्ट्रीय कर्तव्य है। आम लोगों को भी यह समझना होगा कि वे टीके की पहली-दूसरी खुराक लेने में देरी कर अपनी और साथ ही दूसरों की सेहत के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं। राज्य सरकारों को चाहिए कि वे उन इलाकों की पहचान कर वहां विशेष अभियान चलाएं, जहां अपेक्षाकृत कम टीकाकरण हुआ है। लोगों को टीका लेने के लिए प्रेरित-प्रोत्साहित करने के साथ ही ऐसे भी कदम उठाए जाने चाहिए, जिससे वे आनाकानी न करने पाएं। वास्तव में यह संदेश दिए जाने की आवश्यकता है कि जो टीका नहीं लगवाएंगे, उन्हें कुछ सुविधाओं और रियायतों से वंचित किया जा सकता है। अब जब करोड़ों लोगों ने टीके लगवा लिए हैं तब फिर इसका कोई औचित्य नहीं कि शेष लोग टीका लगवाने में हिचकिचाएं।

भारत के पास S-400 मिसाइलें होना अमेरिका के लिए भी रहेगा फायदेमंद

भारत ने रूस के साथ S-400 मिसाइलों की 5 रेजिमेंट खरीदने का 5.43 अरब डॉलर का सौदा अक्टूबर 2019 में किया था, क्योंकि भारत की भौगोलिक स्थिति में दुश्मनों से निपटने के लिए इसे जरूरी माना गया. भारत को इन मिसाइलों की सप्लाई इसी साल यानि 2021 के अंत तक शुरू हो जाने की आशा है. दोनों अमेरिकी सांसदों का कहना है कि वे मिसाइलों की इस खरीद को लेकर अमेरिकी प्रशासन की चिंता से वाकिफ हैं, लेकिन नोट करने वाली बात यह है कि भारत और रूस के बीच ऐसे सौदे अब कम होते जा रहे हैं. अब आपको यह भी बता देते हैं कि S-400 मिसाइलें भारत के लिए इतनी जरूरी क्यों हैं. S-400 मिसाइलें जमीन से हवा में निशाना लगा कर प्रतिद्वंद्वी का शिकार करती हैं. इन्हें विशालकाय ट्रकों पर जगह-जगह तैनात किया जाता है और एक जगह से दूसरी जगह आसानी से ले जाया जा सकता है. S-400 मिसाइलें जंगी जहाज, ड्रोन और अन्य वअश, क्रूज मिसाइलों और बैलिस्टिक मिसाइलों से सीमाओं की रक्षा करती हैं. ये रूस द्वारा निर्मित S-200 मिसाइलों और S-300 मिसाइलों का चौथा और ज्यादा मारक वर्जन है. रक्ढफ्क्र यानि के अनुसार सभी उपलब्ध ईर२ में यह अभी दुनिया में सबसे बेहतर वायु प्रतिरक्षा प्रणालियों में से एक है. उपलब्ध जानकारी के अनुसार S-400 मिसाइलों की 20 बटालियन रूस ने साल 2015 तक अपनी सीमाओं पर तैनात कर दी थीं और अंततः उसका इरादा S-400 की 56 बटालियन तैनात करने का है. साल 2019 में रूस ने चीन को S-400 मिसाइलों की 2 रेजिमेंट सप्लाई कीं.

इसी साल रूस ने तुर्की को भी S-400 की पहली खेप मुहैया कराई. अब यह देखते हैं कि चीन और भारत को रूस द्वारा सप्लाई की जा रही S-400 मिसाइलों में कोई फर्क है क्या? चीन के पास S-400 मिसाइलों की जो रेजिमेंट हैं वह एक समय में 144 मिसाइलें फायर कर सकती हैं.

लेकिन MTCR यानि के अनुसार इस संधि का सदस्य किसी ऐसे देश को यह ऐसी कोई मिसाइल नहीं बेच सकता जो टळऊफ का सदस्य न हो. ऐसे देश को बेची जाने वाली मिसाइल की रेंज भी 300 किलोमीटर से कम होनी चाहिए.

इसका मतलब है कि रूस चीन को ऐसी मिसाइल ही बेच सकता है जिसकी रेंज 250 किलोमीटर से ज्यादा नहीं हो. यानि चीन के पास जो S-400 मिसाइलें हैं वह 40 से 250 किलोमीटर तक ही मार कर सकती हैं. जबकि भारत के पास जो S-400 मिसाइलों की 5 रेजिमेंट हैं, वे एक समय में 160 मिसाइलें फायर कर सकती हैं. भारत MTCR का सदस्य देश भी है, इसलिए इसकी S-400 मिसाइलें 40 से 400 किलोमीटर की दूरी तक मार कर सकती हैं. मतलब भारत के र-400 सिस्टम एक समय में चीन के मुकाबले ज्यादा मिसाइलें और ज्यादा दूर तक जाने वाली मिसाइलें दाग सकते हैं. तो साफ है कि भारत के लिए S-400 का सौदा फायदे का है. लेकिन इसके साथ साथ और भी वजह हैं जिनको देखते हुए भारत को अमेरिका के दबाव में

S-400 के सौदे से पीछे नहीं हटना चाहिए. यह जग जाहिर है कि अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए S-400 मिसाइलें भारत के लिए सबसे सही हथियार हैं, अमेरिका के पास भी इनके मुकाबले खड़ा होने वाली कोई मिसाइल नहीं है.

इसलिए इस सौदे पर पुनर्विचार भारत के राष्ट्रहित में नहीं है. हालांकि भारत और अमेरिका के बीच प्रतिरक्षा सम्बन्ध पिछले वर्षों में काफी मजबूत हुए हैं, लेकिन अभी भी भारत का 60 फीसद रक्षा साजोसामान रूस से ही सोर्स किया जाता है. अगर भारत S-400 सौदे से पीछे हटता है तो रूस भारत के पास पड़े रूसी रक्षा साजोसामान के लिए स्पेयर पार्ट्स देने में आनाकानी या देरी कर सकता है. ये प्रतिरक्षा तैयारी के लिए घातक हो सकता है. यही नहीं, रूस ऐसे हथियार पाकिस्तान को देने का प्रस्ताव भी कर सकता है. यह भी भारत के हित में नहीं होगा.

हाल के दिनों में इंडो पैसिफिक क्षेत्र में दवअऊ समूह में भारत की भूमिका की भी काफी चर्चा हो रही है. इस इलाके में अमेरिका के बाद भारत की सैन्य शक्ति सबसे ज्यादा है. यह बात अमेरिका भी समझता है.

तो अगर अमेरिका चीन को इंडो पैसिफिक में काबू करना चाहता है तो उसे भारत के राष्ट्रीय हितों का भी ध्यान रखना पड़ेगा.

अगर अमेरिका भारत को CAATSA लागू करने की धमकी देता है वह एक भरोसा करने सकने वाले मित्र देश का विश्वास खो देगा. इसके साथ साथ विगत में भारत पर आर्थिक प्रतिबन्ध लगा कर अमेरिका देख चुका है कि भारत ऐसे कदमों के चलते अपने राष्ट्रहितों से समझौता नहीं करता.

ऐसी स्थिति में भारत पर उअअळरअ लगाना अमेरिका के लिए नुकसानदेह रहेगा. CAATSA के बारे में अंतिम फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन अपने विदेशमंत्री एंथनी ब्लिंकन की सलाह से करेंगे. उम्मीद की जानी चाहिए कि उनका फैसला भारत और अमेरिका दोनों के राष्ट्रहित में ही होगा.

यूपी में सस्ता हो सकता है पेट्रोल और डीजल ! सीएम योगी ने बुलाई अहम बैठक

लखनऊ। देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा है और देश के ज्यादातर राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 100 प्रति लीटर के पार चली गई हैं. ऐसे में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण जनता की जेब पर सीधा असर हो रहा है. वहीं डीजल की कीमतों में इजाफे के कारण खाद्य वस्तुओं और अन्य उत्पादों की कीमतों में इजाफा हो रहा है. लिहाजा उत्तर प्रदेश की जनता को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को शाम साढ़े पांच बजे अहम बैठक बुलाई है. माना जा रहा है कि इस बैठक में सरकार टैक्स में कटौती कर सकती है. जानकारी के मुताबिक राज्य में पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमत को लेकर राज्य सरकार परेशान है. क्योंकि कीमतों के कारण केन्द्र और राज्य सरकार दोनों ही जनता के निशाने पर है. क्योंकि केन्द्र में भी बीजेपी की सरकार है और यूपी में भी. इसके साथ ही राज्य में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने हैं. ऐसे में सरकार को जनता की नाराजगी का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है. लिहाजा राज्य सरकार पेट्रोल और डीजल पर राज्य सरकार द्वारा लगाए जाने वाले टैक्स को कर करने की योजना बना रही है.बताया जा रहा है कि इस बैठक में प्रदेश में पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले वैट में कटौती करने को लेकर फैसला हो सकता है. ताकि आम आदमी को थोड़ी राहत मिल सके. गौरतलब है कि राज्य में पेट्रोल की कीमतें 100 रुपये से ज्यादा हो चुकी है जबकि डीजल भी शतक लगाने के करीब पहुंच चुका है. अगर उत्तर प्रदेश में पेट्रोल की कीमतों की बात करें तो गुरुवार को 105 रुपये प्रति लीटर के मूल्य पर पेट्रोल बेचा जा रहा था जबकि डीजल 97.48 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है.

वहीं अगर राज्य सरकार अपने हिस्से के टैक्स में कटौती करती है तो जनता को डीजल पेट्रोल की कीमतों में कुछ राहत मिल सकती है. हालांकि पिछले दिनों ही केन्द्र सरकार ने राज्यों से टैक्स में कटौती करने को कहा था. लेकिन किसी भी राज्य सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले टैक्स में कटौती नहीं की थी.

तेजस्वी ने सीएम नीतीश पर कसा तंज

दिखाने को काम नहीं पर बनाने को हजार बहाने

पटना: विधानसभा की दो सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव ने बिहार की सियासत में एक तरह से भूचाल मचा रखा है। सत्ता पक्ष-विपक्ष की ओर लगातार एक-दूसरे पर हमले किए जा रहे हैं। शब्दबाण भी ऐसे जिनसे खूब घमासान भी मच रहा है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव ने बुधवार को चुनावी सभाओं में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर खूब तंज कसा। सरकार पर विफलता के आरोप लगाए। अब नेता नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। गुरुवार सुबह ट्वीट कर उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तंज कसा है। राजद के 15 वर्षों के शासनकाल पर सीएम के तंज को लेकर तेजस्वी ने पलटवार किया है। तेजस्वी यादव ने ट्वीट किया है कि 76 घोटालों की सरताज सरकार में भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अव्यवस्था बदहाली और जनता के प्रति बेपरवाही आसमान पर है। दिखाने को काम नहीं पर गिनाने को हजार बहाने हैं। तेजस्वी ने यह भी लिखा है कि नीतीश जी का बस चले तो पिछली सरकारों पर क्या, पौराणिक पात्रों पर भी अपनी शाैथिलता का दोष मढ़ दें। एक दिन पूर्व तेजस्वी ने ट्वीट कर लिखा कि 16 साल के शासन के बाद भी आपको कोई इतिहास पर ही लेक्चर दे तो समझ जाइए उसके बस का कुछ नहीं।

लखीमपुर खीरी हिंसा कांड के मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा मोनू की जमानत पर अब तीन को सुनवाई

लखनऊ। लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को उपद्रव के बाद हिंसा में चार किसान सहित आठ लोगों की मौत के मामले के मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा मोनू की जमानत अर्जी कोर्ट ने गुरुवार को स्वीकार कर ली है। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा की इस याचिका पर अब तीन नवंबर को सुनवाई की जाएगी।लखीमपुर खीरी हिंसा के कांड में चार किसानों के साथ तीन भाजपा कार्यकर्ता तथा एक पत्रकार की हत्या के मामले के मुख्य आरोपित आशीष मिश्र मोनू सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस केस में क्रास एफआइआर पर भी पुलिस एक्शन में है। सुमित जायसवाल की ओर से दर्ज कराई गई एफआइआर पर दो प्रदर्शनकारी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।लखीमपुर खीरी जिले की बहुचर्चित हिंसा मामले में केंद्रीय मंत्री के पुत्र आशीष मिश्र की जमानत पर सुनवाई गुरुवार को जिला जज मुकेश मिश्र की अदालत में टल गई है। इस मामले में अगली सुनवाई तीन नवंबर को होगी। गुरुवार को जिला जज की अदालत में होने वाली आशीष मिश्र की जमानत पर सुनवाई इसलिए टाल दी गई है क्योंकि अभी इस पूरे मामले में केस डायरी ही अपूर्ण है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक अभी इस हिंसा से जुड़े कई सबूत और फॉरेंसिक रिपोर्ट ही केस डायरी में संलग्न नहीं हो पाई है।

इसके साथ ही कई गवाहों के बयान भी अदालत में दर्ज नहीं हो पाए हैं। इसके पीछे जिले में अचानक आई बाढ़ की आपदा को भी माना जा रहा है। आरोपित आशीष मिश्र की मेडिकल रिपोर्ट भी अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। ऐसे एक दो नहीं कई बिंदु है जिनको केस डायरी में शामिल किए बिना जमानत पर सुनवाई संभव नहीं थी। जिसके चलते अभियोजन पक्ष ने जिला जज की अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल करते हुए अभी इस मामले में कुछ और समय मांगा। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने तीन को इस याचिका पर सुनवाई का निर्णय किया। दीपावली से ठीक दिन पहले अदालत में यह तय हो जाएगा कि आशीष मिश्र की जमानत यहां से होगी या नहीं।इस केस में आशीष मिश्रा मोनू से पहले गिरफ्तार आरोपित लवकुश राणा तथा आशीष पाण्डेय की जमानत अर्जी बुधवार को जिला जज की अदालत में दाखिल की गई। इसके बाद दोनों की जमानत पर सुनवाई के लिए तीन नवम्बर की तिथि नियत की गई है।

कविता

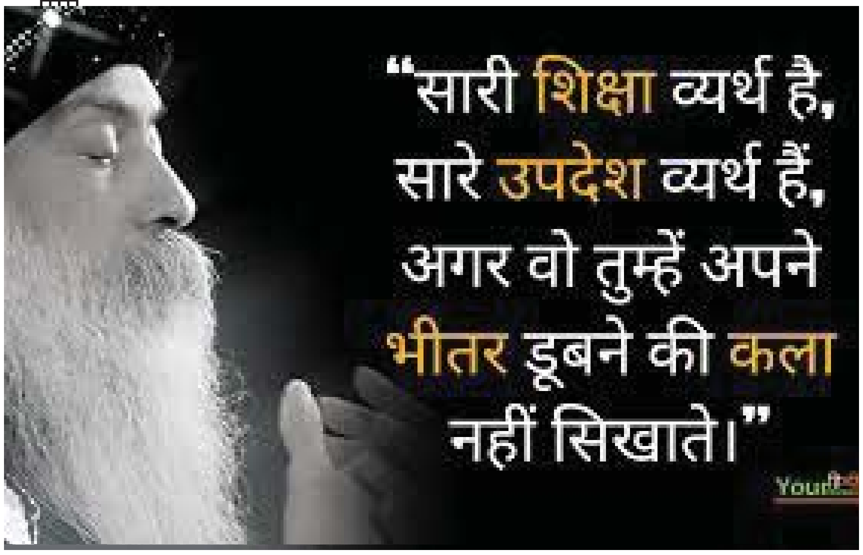

कहै कबीर दीवाना-ओशो

अगर एक स्त्री ने किसी पुरुष को एकांत भाव से प्रेम किया हो तो तुम धीरे-धीरे पाओगे, उसके चलने में, उसकी आंखों में, उसके चेहरे पर उस पुरुष की छाप आने लगती है। अगर किसी पुरुष ने किसी स्त्री को एकांत रूपेण प्रेम किया हो, तुम पाओगे कि उसकी वाणी में उस स्त्री का माधुर्य समा जाता है। उनके हाव-भाव में, भंगिमाओं में एक दूसरे प्रविष्ट हो जाते हैं। अगर उन्होंने ठीक से प्रेम किया हो, तो तुम उन्हें भीड़ में भी उनको खोज सकते हो कि दोनों एक दूसरे के प्रेमी मालूम पड़ते हैं। क्योंकि एक दूसरे की छवि उनमें धीरे-धीरे प्रविष्ट हो जाती है। प्रेमी धीरे-धीरे एक जैसे हो जाते हैं। शरीर शास्त्री बहुत चिंतन करते रहे हैं, कि यह कैसे घटित होता है? बच्चा पैदा होता है, तो कभी तो बच्चे में छवि स्त्री की झलकती है, कभी पुरुष की झलकती है। कभी दोनों की नहीं झलकती, कभी दोनों की सम्मिलित झलकती है। कभी बिलकुल ही किसी तीसरे व्यक्ति की छवि झलकती है, जिसका कोई लेना-देना नहीं है। जारी....

बालों को घना और हेल्दी बनाने के लिए डाइट में शामिल करें 9 चीजें

बालों की खूबसूरती आपके चेहरे पर भी नजर आती है। अगर बाल पतले और बेजान हो, तो इसका विपरीत असर आपके फेस पर भी नजर आता है। इन दिनों बदलते लाइफस्टाइल की वजह से कई लोगों के बाल झड़ रहे हैं। साथ ही लोग कई ऐसी बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं, जिसकी वजह से उनके बाल काफी ज्यादा पतले और बेजान हो गए हैं। ऐसे में लोग अपने बालों को मोटा करने के लिए तरह-तरह के कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसका असर सिर्फ कुछ ही दिनों तक रहता है और बाद में फिर से आपके बाल वैसे के वैसे ही रह जाते हैं। अगर आप अपने बालों को अंदरुनी रूप से देखभाल करना चाहते हैं, तो अपने डाइट में कुछ बदलाव कीजिए। जी हां, लखनऊ स्थिति न्यूट्रीडाइट क्लीनिक की डायटीशियन प्रीति श्रीवास्तव बताती हैं कि डाइट में बदलाव करके आप अपने पतले बालों को मोटा कर सकते हैं। आज हम इस लेख में आपको कुछ ऐसे डाइट के बारे में बताएंगे, जिससे आपके बालों को अंदरुनी रूप से देखभाल मिलेगा। इससे आपके बाल मोटे और घने हो सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे आहार के नाम जिससे आपके बालों की बढ़ सकती है अंडे का सेवन स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। अगर आप अपने बालों को घना करना चाहते हैं, तो अंडे को अपने डाइट में शामिल करें। अंडा प्रोटीन और बायोटीन से भरपूर होता है, जो आपके बालों को घना बनाए रखने में आपकी मदद कर सकता है। दरअसल, बालों के रोम प्रोटीन से बनते हैं, ऐसे में प्रोटीन युक्त आहार का सेवन करने से आपके बालों की ग्रोथ और मोटाई अच्छी होगी। साथ ही इससे झाड़ तो बालों की परेशानी को भी दूर किया जा सकता है। वहीं, बायोटीन बालों के लिए जरूरी कैराटीन नामक प्रोटीन का उत्पादन करता है। इसके अलावा अंडे में जिंक और सेलनियम नामक तत्व होता है, जो बालों के लिए काफी जरूरी पोषक तत्व है। बालों को घना बनाए रखने के लिए हर रोज अपने डाइट 1 अंडा जरूर शामिल करें। बालों को घना करने के लिए आप पालक को भी अपने डाइठ में शामिल कर सकते हैं।

आलिया भट्ट ने सिर्फ 2 वर्षों में कमाए पिता महेश भट्ट के 50 वर्षों के बराबर रुपए

महेश भट्ट ने बेटी आलिया भट्ट की सराहना की है' उन्होंने कहा है कि जितने पैसे उन्होंने 50 वर्षों में नहीं कमाए' उनकी बेटी आलिया भट्ट ने महज 2 वर्षों में इतने पैसे कमाए हैं' आलिया भट्ट ने अपना डेब्यू स्टूडेंट ऑफ द इयर से 2012 में किया था' आलिया भट्ट पसंदीदा कलाकारों में से एक है' अपने हालिया इंटरव्यू में आलिया भट्ट के पिता महेश भट्ट ने बेटी की उपलब्धियों की सराहना की है' उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने माता-पिता के कारण नहीं है' महेश भट्ट ने कहा, ह्यआलिया भट्ट अपने माता-पिता की नहीं तरह नहीं है' उसने अपने आपको खुद बनाया है' मैं भले फिल्म निमार्ता रहा हूं' हम हमेशा इंडस्ट्री की नोक पर खड़े रहे हैं' हमारा घर फिल्मी पार्टियों का नहीं रहा है' मैंने फिल्में घर चलाने के लिए बनाई है' आलिया भट्ट को भी यह पता है' वह बेधड़क होकर काम करती है लेकिन वह समझदार भी है' महेश भट्ट ने यह भी कहा, यह दुनिया तमाशा देखने वालों से भरी हुई है लेकिन परफॉर्म करने के लिए काफी साहस लगता है' मेरे मन में उनके लिए काफी सम्मान है जो फिल्में बनाते हैं, चाहे उनके रास्ते में कोई भी आ गया हो लेकिन वह डटे होते हैं' वह फिर से शुरू करते हैं' यह उनके लिए भी लागू होता है जो बहुत कम उम्र में जल्दी सफलता पा लेते हैं' 1 मिनट पहले आलिया बहुत छोटी लड़की थी' अपने पिता के पास से 500 पाने के लिए पैरों में क्रीम लगाया करती थी' पिछले 2 वर्षों में उसने इतने पैसे बनाए, जितने मैं 50 वर्षों में नहीं बना पाया' आलिया भट्ट ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया था' इसके पहले उन्होंने 1999 में आई फिल्म संघर्ष में बाल कलाकार की भूमिका निभाई थी' इसके बाद वह हाईवे, टू स्टेट, हम्टी शर्मा की दुल्हनिया और राजी जैसी फिल्मों में काम कर चुकी है' आलिया भट्ट गंगुबाई काठियावाड़ी और ब्रह्मास्त्र में नजर आएंगी.

वीरेंद्र सहवाग ने किया खुलासा, बोले- अब ऐसे T20 विश्व कप जीतेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने बताया है कि भले ही टीम इंडिया अपना पहला मैच पाकिस्तान के हाथों हार गई हो, लेकिन उनको अभी भी लगता है कि धीमी शुरूआत के बावजूद टीम इंडिया आइसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 की ट्राफी अपने नाम कर सकती है। वीरेंद्र सहवाग का ये भी कहना है कि खिताब जीतने के लिए भारतीय टीम को बेहतर क्रिकेट खेलने की जरूरत है। टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप 2021 के अपने पहले मैच में पाकिस्तान के हाथों करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने ह्यटीम इंडियाॡ को 151 रन पर रोककर और लक्ष्य का पीछा करते हुए 10 विकेट से जीत हासिल की थी। विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तान की भारत पर ये पहली जीत थी। भारत को अब अपने दूसरे मुकाबले में 31 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से भिड़ना है।वीरेंद्र सहवाग का कहना है कि विराट कोहली की कप्तानी वाली टीम अभी भी विश्व कप जीत सकती है। उन्होंने ये भी कहा है कि अगर टीम इंडिया हार भी जाती है तो फिर भी हमें टीम का समर्थन करने की जरूरत है। सहवाग ने अपने शो वीरूगीरी में कहा,

ह्लमेरे हिसाब से टीम इंडिया ही इस टी20 वर्ल्ड कप को जीतेगी। उन्हें यहां से आगे सिर्फ बेहतर क्रिकेट खेलनी होगी। हम हमेशा अपनी टीम के लिए खुश होते हैं जब वह जीतती है, लेकिन जब वह हारती है तो हमें उसका और भी अधिक समर्थन करना चाहिए। इसलिए मेरा मानना है कि भारत टी20 वर्ल्ड कप जीत सकता है दूसरी ओर, पाकिस्तान आइसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2021 में सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के एक कदम और करीब हो गई है, क्योंकि पाकिस्तान ने अपने दूसरे मैच में न्यूजीलैंड को हराया है। उसी के बारे में बात करते हुए वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि पाकिस्तान के सेमीफाइनल में जाने की संभावना लगभग तय है, क्योंकि उसके अगले मैच अफगानिस्तान, स्काटलैंड और नामीबिया के खिलाफ हैं।

जडेजा बोले- उस दिन विराट कोहली का बयान मुझे बहुत बुरा लगा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाज अजय जडेजा भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली के उस बयान से नाखुश हैं, जो कप्तान कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद दिया था। अजय जडेजा ने कहा कि वह निराश थे जब कप्तान विराट कोहली ने कहा कि भारतीय टीम पाकिस्तान के खिलाफ अपने सलामी बल्लेबाजों को जल्दी आउट होने की वजह से बैकफुट पर आ गई थी। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने मैच के पहले और तीसरे ओवर में रोहित शर्मा और केएल राहुल को आउट किया था। हालांकि, विराट कोहली क्रीज पर थे और उन्होंने मैच के बाद कहा कि शाहीन अफरीदी के स्पेल ने भारतीय बल्लेबाजों को दबाव में डाल दिया। कप्तान विराट कोहली के इसी बयान से अजय जडेजा निराश हैं और उनका मानना है कि जब विराट कोहली जैसा खिलाड़ी मैदान पर है तो टीम इंडिया दबाव में कैसे आ सकती हैअजय जडेजा ने क्रिकबज पर कहा, ह्लमैंने उस दिन विराट कोहली का बयान सुना था। उन्होंने कहा कि जब हमने दो विकेट गंवाए तो हम पाकिस्तान के खिलाफ मैच में पिछड़ गए। मैं इस बयान से निराश था। जब विराट कोहली जैसा खिलाड़ी मैदान में होता है, तो मैच खत्म होने का कोई रास्ता नहीं है। उसने दो गेंद भी नहीं खेली थी और ऐसा ही सोच लिया था तो यह भारत के दृष्टिकोण को दर्शाता है। पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली ने 49 गेंदों में 57 रन बनाए थे और भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 151 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम के सलामी बल्लेबाज मुहम्मद रिजवान और बाबर आजम ने बिना कोई विकेट खोए 152 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया था।

T20 विश्व कप 2021 के लिए वेस्टइंडीज ने किया ये दूसरा बदलाव दो और टीमों ने भी बदले

नई दिल्लीः का आयोजन यूएई में जारी है। सुपर 12 के मुकाबलों के बीच तीन टीमों ने अपने चार खिलाड़ी बदल लिए हैं। वेस्टइंडीज की टीम ने अपने दो खिलाड़ियों को बदला है, जबकि एक-एक खिलाड़ी बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की टीम को बदलना पड़ा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आइसीसी ने ये रिप्लेसमेंट चोट के कारण अप्रूव्ड किए हैं टूर्नामेंट से ठीक पहले वेस्टइंडीज की टीम ने आइसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2021 के लिए बनाई गई इवेंट टेक्निकल कमेटी से आलराउंडर फैबियन एलन की जगह अकील हुसैन को टीम में शामिल किए जाने की अनुमति मांगी थी, जिसे आइसीसी ने मंजूर किया था। वहीं, बुधवार को वेस्टइंडीज ने अपने दूसरे खिलाड़ी को बदला है। इस बार चोटिल ओबेड मैकाय की जगह पूर्व कप्तान जेसन होल्डर को टीम में शामिल किया गया है।न्यूजीलैंड टीम के तेज गेंदबाज लाकी फर्ग्यूसन काफ इंजरी की वजह से टी20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर न्यूजीलैंड की टीम में तेज गेंदबाज एडम मिल्ने शामिल हो गए हैं, जो कि रिजर्व टीम का हिस्सा थे।

डिप्टी सीएम अजीत पवार के रिश्तेदार के घर ईडी की छापेमारी

सहकारी बैंक धोखाधड़ी मामले में एजेंसी कर रही है जांच

मुंबई : प्रवर्तन निदेशालय द्वारा मुंबई और पुणे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के एक सहयोगी के आवास पर तलाशी कर रही है. तलाशी महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक धोखाधड़ी मामले के संबंध में की जा रही है. जानकारी के अनुसार ईडी पुणे में जगदीश कदम के घर पर छापेमारी कर रही है. जगदीप कदम अजीत पवार के चचेरे भाई है और दौंड चीनी फैक्टरी के निदेशक भी है. ईडी ने पहले दौंड चीनी फैक्टरी पर छापेमारी की थी. इसी महीने की शुरूआत में आयकर विभाग ने कर चोरी के आरोप में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के परिवार के सदस्यों और कुछ रियल एस्टेट डेवलपर्स से जुड़े व्यवसायों पर को छापा मारा था. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुंबई, पुणे, सातारा और महाराष्ट्र के कुछ अन्य शहरों में तथा गोवा में तलाशी ली जा रही है. सूत्रों ने बताया कि डीबी रियल्टी, शिवालिक, जरंदेश्वर सहकारी शुगर कारखाना (जरंदेश्वर एसएसके) जैसे समूह से संबंधित परिसरों और पवार की बहनों से जुड़े व्यवसायों पर छापेमारी की जा रही है.उन्होंने बताया कि कुछ दस्तावेज मिले हैं जिनका अध्ययन किया जा रहा है. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जुलाई में धनशोधन रोधी कानून के तहत जरंदेश्वर एसएसके की सातारा के चिमनगांव-कोरेगांव में चीनी मिल की 65 करोड़ रुपए से अधिक की भूमि, भवन, संयंत्र और मशीनरी को कुर्क कर लिया था, जिसे लेकर वे हाल में खबरों में थी.ईडी ने दावा किया था कि सहकारी द्वारा संचालित चीनी मिल पवार और उनके परिवार से जुड़ी हुई है.

TASNEEM COLLECTION

Online Shopping Hub

Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories

Kitchen & Household items

Baby products

Plastic items

And much more......all under one roof

Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment

RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703

Farida Rampurawala : 8898065152

मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

मुंबई। महाराष्ट्र में ठाणे की एक अदालत ने जबरन वसूली मामले में वीरवार को मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। गत दिनों क्राइम ब्रांच ने परमबीर को जबरन वसूली के मामले में पूछताछ के लिए हाजिर होने के आदेश दिए थे। मगर वह हाजिर नहीं हुए थे। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने परमबीर के मुंबई व हरियाणा आवास पर जाकर नोटिस भी चस्पा की थी। परमबीर सिंह के विरुद्ध हफ्ता वसूली का एक मामला 23 जुलाई को दर्ज किया गया था। बाद में इस मामल की जांच अपराध शाखा को सौंप दी गई थी। इस मामले में उनके साथ मुंबई पुलिस के बर्खास्त एपीआइ सचिन वाझे सहित कई और पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। परमबीर के विरुद्ध इसके अलावा एक और मामले में प्राथमिकी दर्ज है। उस मामले में भी परमबीर की जांच चल रही है, लेकिन परमबीर सिंह पिछले दो महीनों से मुंबई में नजर नहीं आ रहे हैं। पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख के विरुद्ध उन्हीं के द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर बयान दर्ज करने के लिए भी वह प्रवर्तन निदेशालय के सामने हाजिर नहीं हो सके हैं। कुछ दिनों पहले ही उनके खिलाफ मुंबई पुलिस ने एक लुकआउट नोटिस भी जारी किया है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि परमबीर सिंह शायद विदेश चले गए हैं। इसी वर्ष फरवरी में उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर के निकट विस्फोटक लदी स्कार्पियो कार खड़ी किए जाने का प्रकरण सामने आ के बाद ही उन्हें मुंबई पुलिस के आयुक्त पद से हटा दिया गया था। परमबीर सिंह के विरुद्ध लुकआउट नोटिस भी गत दिनों जारी किया गया था। क्योंकि पुलिस को शक है कि वह देश छोड़कर जा सकते हैं। महाराष्ट्र के गृहमंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि आशंका जताई जा रही है कि परमबीर सिंह देश छोड़कर जा सकते हैं, लेकिन इस बात के कोई ठोस सबूत नहीं हैं। पाटिल के अनुसार, किसी सरकारी अधिकारी को विदेश यात्रा करने से पहले सरकार से अनुमति लेनी होती है। यहां तक कि मुख्यमंत्री भी सरकारी अनुमति की बिना विदेश नहीं जा सकते। यदि इसके बावजूद परमबीर सिंह विदेश जाते हैं तो यह ठीक नहीं होगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई – 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997

■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net